वैलेंटाइन संध्या पर शिवमय हुआ भोपाल

नया ट्रेंड : शिव की आराधना में डूबे युवा, रवीन्द्र भवन में पहली बार भजन क्लबिंग का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल,14 फरवरी. ऊं नम: शिवाय की गूंज से शुरू हुआ भजन क्लबिंग का सुर जन्मों जन्मांतर की लड़ियां, महादेवा तेरा डमरू डम डम डम तो बज जाए रे, सर से तेरी बहती गंगा, नाम मेरा हो जाता, जब नाम तेरा लेता. पर्वत पर बैठा मेरा पिता भोला मैं उसका दीवाना जैसे बोल से रवीन्द्र भवन का मुक्ताकाश मंच खुले आसमान के नीचे धरा पर बैठे दर्शकों के मन में भक्ति की ऐसी लय जगा गया कि परिसर शिव की आराधना में डूब गया.

महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या और वैलेंटाइन डे की शाम मंच पर हृदय बैंड द्वारा 6 गायकों और 7 वाद्ययंत्रों के साथ पहली बार भजन क्लबिंग की प्रस्तुति ने बच्चे बूढ़े, युवा, महिला सभी को शिव के समीप होने का अहसास कर दिया. कार्यक्रम का आयोजन करुणाधाम आश्रम के मार्गदर्शन और मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से देवांश एंटरटेनमेंट और मध्या एडवरटाइजिंग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. जिसमें भोपाल के कलाकार मोहित शेवानी ने अपने हृदय बैंड और 24 साथियों के साथ मंच संभाला. शाम 7 बजकर 59 मिनट पर जैसे ही ओम नम: शिवाय की धुन भजन क्लबिंग अंदाज में बही, दर्शकों के हाथ अपने आप तालियों में बदल गए. हाई वोल्टेज साउंड और एआई आधारित दृश्य संयोजन के बीच 12 ज्योतिर्लिंगों की कथा सुनाई गई. जिसमें सबसे पहले दूषण के संहार से लेकर शिव बारात और शिव पार्वती विवाह तक की प्रस्तुति को श्रोता टकटकी लगाए सुनते दिखे.

आधुनिक ट्रेंड में भजन क्लबिंग पसंद कर रहे युवा : वैलेंटाइन डे की संध्या पर आयोजित इस भजन क्लबिंग में युवाओं की भागीदारी खास रही. आधुनिक ट्रेंड और क्लबिंग स्टाइल के बीच पारंपरिक भक्ति का यह संगम युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़ने का नया माध्यम देता दिखा. कई युवा पारंपरिक परिधान में तो कई आधुनिक अंदाज में नजर आए.

भजन क्लबिंग नया ट्रेंड है, अच्छा लगता है ऐसे कॉन्सर्ट के जरिए हमें अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का मौका मिल रहा है. यहां हम अपने दोस्तों, परिवार किसी के साथ भी आके आनंद ले सकते हैं.

-अमन मनवानी, बैरागढ़

ये नया तरीका है वेलेंटाइन डे सेलिब्रेट करने का. हम जैसे युवाओं में काफी उत्साह रहता है ऐसे इवेंट्स को लेकर. मुझे लगता है यही सच्चा प्रेम है कि आप भजन के माध्यम से अपने आराध्य अपने शिव से जुड़ पा रहे हैं.

- सृष्टि

सृजन, स्मृति और साधना का उत्सव

भारत भवन में 44वां वर्षगांठ समारोह

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 फरवरी. शाम ढलते ही भारत भवन का सभागार लय और साधना की आभा से तब भर उठा, जब पुणे के सुप्रसिद्ध तबला वादक विजय घाटे ने शिव वंदना से प्रस्तुति का आरंभ किया, पूरा वातावरण मानो किसी एकाग्रता में लीन हो गया हो. विलंबित पेशकार से द्रुत लय तक उनकी उंगलियों की थाप ने ताल की ऐसी चित्रकारी रची कि श्रोता देर तक खोए रहे.

भारत भवन में आयोजित 44वें वर्षगांठ समारोह के दूसरे दिन सृजन की बहुरंगी छटा पूरे परिसर में दिखाई दी. वहीं कथक नृत्यांगना शीतल और गायक सूरतजन की संगति ने प्रस्तुति को और प्रभावी बना दिया. कृतज्ञता और उत्सवधर्मिता की थीम पर आधारित इस आयोजन में कला की विभिन्न धाराएं एक साथ प्रवाहित होती नजर आईं.

इतिहास और विमर्श का संगम

शाम से पहले आयोजित परिचर्चा में राजा भोज के रचनात्मक योगदान पर गंभीर मंथन हुआ. जिसमें डॉ. शिवाकांत वाजपेयी ने समरांगण सूत्रधार का उल्लेख करते हुए राजा भोज की स्थापत्य दृष्टि और संस्कृत प्रेम को रेखांकित किया. वहीं डॉ इन्दुशेखर तत्पुरुष ने सरस्वतीकंठभरणम् पर प्रकाश डालते हुए उनके साहित्यिक अवदान को महत्वपूर्ण बताया. डॉ रमेश यादव ने भोजपुर और उज्जैन के मंदिरों की स्थापत्य विशेषताओं पर चर्चा की.

मिट्टी में ढलतीं संवेदनाएं

कला शिविर में छह कलाकार सेरेमिक माध्यम से सृजन की नई संभावनाएं तलाशते दिखे. जिसमें एक तरफ बनारस के विजेंद्र मेहली बताते हैं कि मिट्टी की तैयारी में ही कई दिन लग जाते हैं. उसके बाद जाके मेहनत और एकाग्रता से आकार सृजन होते हैं. वहीं दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के चिरायु कुमार सिन्हा की छमिया सीरीज ग्रामीण स्त्री जीवन की गरिमा को सामने रखती दिखी. साथ ही होमलेस एलिफेंट श्रृंखला जंगल से बेघर होते हाथियों की पीड़ा को उकेरती है. प्रदर्शनी में 44 महिला कलाकारों की कृतियां आकर्षण का केंद्र रहीं. माधवी पारिख के तेलचित्र में प्रकृति की कोमलता झलकी तो ललिता लाजमी की ड्रीम सीरीज ने पारिवारिक भावनाओं को स्वप्न और यथार्थ के बीच रखा. सीमा कोहली की गोल्डन वूम्ब और हू एम आई कृतियों ने अस्तित्व और सृजन के गहरे प्रश्न उठाए. जलतरंग, लैंडस्केप, तेलचित्र और सिल्क स्क्रीन जैसे विविध माध्यमों में परंपरा और प्रयोग का संतुलित स्वर दिखाई दिया.

एक नजर में

सबनानी ने किया क्लीनिक का शुभारंभ

भोपाल. विधायक भगवानदास सबनानी ने शनिवार को हर्षवर्धन नगर में फिजियोथेरेपी क्लीनिक का शुभारंभ किया. इस अवसर पर उन्होंने संचालकगण को बधाई दी.

पुलवामा के शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल. शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) में शनिवार को पुलवामा के शहीद सैनिकों को उनके शौर्य, बलिदान के लिए याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई. इस मौके पर महाविद्यालय के डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने देश की चुनौतियां का सामना करने एवं राष्ट्रीय एकता के लिए युवाओं का आह्वान किया. प्राचार्य डॉ. गीता मोदी ने देशप्रेम और राष्ट्रीय एकता पर आधारित प्रसंगों पर चर्चा की. कार्यक्रम को डॉ. अलका प्रधान, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. सुमन अग्रवाल, डॉ.मनीषा सिंह ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी सौरभ पाटीदार, अतुल, सचिन और एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे.

भगवान पशुपतिनाथ का होगा जलाभिषेक

भोपाल, 14 फरवरी. श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज, गोविंदपुरा द्वारा इस वर्ष 48वां महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है.समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे ने बताया कि रविवार को श्री पशुपतिनाथ मंदिर में दोपहर 12 बजे गंगाजली कलश यात्रा द्वारा लाए गए जल से भगवान श्री पशुपतिनाथ का भव्य जलाभिषेक किया जाएगा. केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान, मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, बीएचईएल के ईडी पीके उपाध्याय और पार्षद अशोक वाणी सहित संत-महात्मा की विशेष उपस्थिति में यह धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा. रविवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक श्री पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा. समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे और महामंत्री सुरेश पाण्डे ने 16 फरवरी को श्री पशुपतिनाथ मंदिर में 12 बजे से 4 बजे तक आयोजित विशाल भंडारे में सपरिवार भाग लेने का आग्रह किया है.

आज से भोजपुर में तीन दिनी महादेव महोत्सव

भोपाल. महाशिवरात्रि पर संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से भोजपुर मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय 'महादेव भोजपुर महोत्सव' का 15 से 17 फरवरी, तक प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से किया जाएगा. यह महोत्सव शिव-शक्ति, लोकआस्था और सांस्कृतिक चेतना का अनुपम उत्सव होगा. शिवभक्ति, लोकपरंपरा और शास्त्रीय-सुगम कलाओं के सुरम्य संगम के रूप में महोत्सव भोजपुर की ऐतिहासिक धरा पर सांस्कृतिक चेतना का दीप प्रज्वलित करेगा.

महोत्सव के पहले दिन 15 फरवरी को सागर के ऋषि विश्वकर्मा के स्वर से लोकगायन की भावपूर्ण गूंज मंदिर प्रांगण को भक्तिरस से सराबोर करेगी. इसके बाद सागर के उमेश नामदेव द्वारा प्रस्तुत बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य में लोकजीवन की उल्लासमयी छवियां साकार होंगी. संध्या का शिखर क्षण मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा के भक्ति गायन से सजेगा.

करोंद में कलश यात्रा निकाली, भागवत कथा शुरू

भोपाल, 14 फरवरी. सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को करोंद स्थित संजीव नगर की स्वास्थ्य वाटिका में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया.

इस दौरान उन्होंने महिलाओं को 500 साड़ियों का वितरण किया. श्रीमद् भागवत कथा 22 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 3 से रात 8 बजे तक होगी. भागवत कथा के पहले दिन शनिवार कलश शोभा यात्रा निकाली.

धर्म प्रधान संगठन द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन सत्संग का आयोजन भी होगा. भागवत कथा के अंतिम दिन 22 फरवरी को हवन एवं भंडारा का आयोजन होगा . वृंदावनधाम से पधारे कथा वाचक डॉ. आरुष महाराज श्रद्धालुओं को कथा सुनाएंगे. समिति के अभिषेक द्विवेदी, शैलेश शुक्ला, आशीष द्विवेदी, हेमंत शर्मा, कर्नल थापा, आशीष साहू, प्रशांत शुक्ला व अन्य सदस्यों ने श्रद्धालुओं से कथा व सत्संग महोत्सव का लाभ लेने का आह्वान किया है.

भारतीय ज्ञान पर आधारित नया बीएसएमएस कोर्स शुरू होगा

व्यावहारिक कौशल और रोजगार के मिलेंगे अवसर

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 फरवरी . एनआईटीटीटीआर भोपाल ने डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने के बाद अब भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित बीएसएमएस कोर्स शुरू करने की घोषणा की है. आगामी शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ होने वाला यह पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला होगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप संचालित किया जाएगा.

संस्थान के निदेशक प्रो. सी सी त्रिपाठी ने बताया कि यह कोर्स विद्यार्थियों को केवल डिग्री नहीं बल्कि व्यावहारिक कौशल और रोजगार के अवसर भी देगा. छात्रों को भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी दर्शन कला और स्थापत्य जैसी परंपराओं का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कराया जाएगा. साथ ही फील्ड आधारित प्रोजेक्ट और संबंधित संस्थानों के साथ कार्य करने का अवसर भी मिलेगा. वहीं डीन, प्रो. पी. के. पुरोहित ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है जिसे आधुनिक शिक्षा से जोड़ना समय की आवश्यकता है. कोर्स में प्रयोगशाला व्यवस्था और विरासत संरक्षण की नई तकनीकों को भी शामिल किया जाएगा. साथ ही बैठक में सुझाव दिया गया कि रामकृष्ण मिशन आयुर्वेदिक संस्थान योग और सांस्कृतिक केंद्रों के सहयोग से पाठ्यक्रम को व्यावहारिक स्वरूप दिया जाए. इससे प्राचीन इतिहास और पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों को भी इसमें स्थान मिलेगा. बता दें यह पहल उन विद्यार्थियों के लिए नई राह खोलेगी जो अपनी जड़ों से जुड़ते हुए आधुनिक विज्ञान में करियर बनाना चाहते हैं.

शिक्षा डिग्री नहीं, समाज के प्रति जिम्मेदारी

आईईएचई में सतत विकास पर मंथन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 फरवरी शिक्षा केवल डिग्री नहीं बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी है। इसी सोच के साथ उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में सतत विकास पर अंतर्विषयी दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल मध्य भारत प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

आयोजन के दूसरे और अंतिम दिन चार वैचारिक सत्र आयोजित हुए। जिनमें देश-विदेश के शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने भौतिक और ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। पहले दिन पांच सत्र हुए थे। जिसमें युवा शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान परिसर में संवाद का ऐसा वातावरण बना जहां अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर पर्यावरण और संस्कृति के संतुलन पर गंभीर चर्चा हुई। वहीं समापन सत्र में वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि विकास तभी सार्थक है जब वह प्रकृति संस्कृति और मानवता के संतुलन को साधे। कार्यक्रम में शामिल डॉ. संजय पाठक ने कहा कि भारतीय दृष्टि उपभोग नहीं बल्कि सहअस्तित्व सिखाती है। वहीं डॉ. संजय सिंह बघेल ने विकास को आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा छोड़ने वाली प्रक्रिया बताया। कार्यक्रम में श्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एच बी गुप्ता ने इसे ज्ञान विनिमय और सहयोग की दिशा में सार्थक पहल बताया।

आज बाबा बटेश्वर की निकलेगी बारात

भोपाल, 14 फरवरी. श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट द्वारा महाशिवरात्रि पर बाबा बटेश्वर की भव्य बारात शुक्रवार प्रात: 10 बजे निकाली जाएगी. मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि शिव बारात में भगवान राधा-कृष्ण द्वारा भोलेनाथ का पूजन, राम दरबार, माता अनुसुइया, ब्रह्मा, विष्णु, महेश, प्रदोष श्रृंगार एवं पहाड़ पर भूतेश्वर की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेंगी. बारात के दूसरे भाग में बटेश्वर भक्त मंडल एवं महिला मंडल का डमरु मंजीरा दल ,आदिवासी नृत्य दल ,बैंड ,ओम नम: शिवाय मंडल का अखंड जाप और सबसे पीछे रजत रथ पर नंदी सवार दूल्हा बने बाबा बटेश्वर होंगे. मंदिर परिसर से बारात सिंधी मार्केट, जवाहर चौक जुमेराती, हनुमानगंज मंगलवारा ,इतवारा, चिंतामन चौराहा ,चौक लखेरापुरा से रात 11 बजे भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचेगी। यहां वरमाला का आयोजन होगा।

मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में पर्यावरण क्विज प्रतियोगिता

कंप्यूटर साइंस विभाग ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

भोपाल, 14 फरवरी. शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में ईको क्लब द्वारा पर्यावरण विषय पर अंतर विभागीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण सतत विकास और पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देना रहा. कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. प्रतियोगिता में कंप्यूटर साइंस विभाग की दीप्ति धनवाई, ईशान वारसी और आयुष पांडेय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया. द्वितीय स्थान डिफेंस विभाग के सिद्धार्थ पाल, प्रियांश साहू और पूनम सनोडिया ने हासिल किया और भौतिकी विभाग ने तृतीय स्थान अर्जित किया. संचालन ईको क्लब के मार्गदर्शन में किया गया. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता मोदी ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया.

पक्षियों की गणना | क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय और भोपाल बर्ड्स संस्था का आयोजन

भोपाल में दिखे ग्रे हार्नबिल सहित 34 प्रजाति के परिंदे

भोपाल, 14 फरवरी. क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल एवं भोपाल बर्ड्स संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'परिसर पक्षी गणना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस पक्षी गणना में लगभग 34 प्रजाति के पक्षियों को परिसर में देखा गया, जिनमें से ग्रे हार्नबिल, रोज रिंग्ड पैराकीट, ओरिएंटल व्हाइट आई, पर्पल सन बर्ड, बूटेड वार्बलर, जंगल बैबलर, रेड वेंटेड बुलबुल, लाफिंग डव, स्मॉल मिनीवेट, कॉमन आयोरा, ग्रेटर कोकल, शिकरा, कामन काइट, रिवर टर्न, इंडियन रॉबिन, पाइड मैना, हाउस क्रो, लॉर्जे बिल्ड क्रो, कॉपर स्मिथ बार्बेट, ब्लैक ड्रोंगो, ऐशी प्रीनिया, टेलर बर्ड, डस्टी क्रेग मार्टिन, ग्रे हेडेड कैनरी फ्लाई कैचर, रेड वैटल्ड लैपविंग आदि पक्षी प्रमुखता से दिखाई दिये.

पक्षी गणना के दौरान इंडियन रॉक पिजन, पर्पल सन बर्ड, ग्रीन बी ईटर, जंगल बैबलर एवं लार्ज कोरमोरेंट की सर्वाधिक संख्या पाई गई. प्रवासी पक्षियों में एशियन ब्राउन फ्लाईकैचर, एशियन कोयल, ब्लैक रेड स्टार्ट, स्पॉट बिल्ड डक, कोरमोरेंट मुख्य रूप से दिखाई दिये. पक्षी गणना के दौरान संग्रहालय की कार्यालय अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक डॉ. बीनिश रफत, कार्यक्रम की समन्वयक अस्मिता चौधरी,भोपाल बर्ड्स संस्था से डॉ. संगीता राजगीर, मो. खालिक, गौरा जोशी मौजूद थी.

'स्किल डेवलमेंट करते समाज सेवा करें छात्र'

भोपाल, 14 फरवरी.बंसल कॉलेज ऑफ फार्मेसी भोपाल में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार कम वर्कशॉप, बेसिक टेक्निक्स इन प्लांट टिश्यू कल्चर रिसर्च विषय पर आयोजित की गई. मुख्य अतिथि डॉ. संजय जैन अध्यक्ष, मध्य प्रदेश स्टेट फार्मेसी काउंसिल थे। डॉ. उमेश जैन डायरेक्टर बिट्स फार्मेसी विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर डॉ. संजय जैन नें छात्रों को स्टेट फार्मेसी काउंसिल का विजन 2047 विस्तार से बताया और छात्रों को कड़ी मेहनत से स्किल डेवलपमेंट करते हुए समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया .उन्होंने स्टेट फार्मेसी काउंसिल में किए गए सुधारों तथा टिशु कल्चर जैसी नई टेक्नोलॉजी के फार्मेसी के उपयोग के बारे में विस्तार से चर्चा की.डॉ. उमेश जैन ने बायोटेक्नोलॉजी के बढ़ते हुए उपयोग के बारे में बताया। प्राचार्य डॉ. एस नायक ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का सम्मान किया . वर्कशॉप में इनक्यूबेशन, कल्चर मीडिया इमप्लांट्स, टिशु मल्टीप्लिकेशन, प्लांट्स सॉफ्टनिंग एवं हार्डेनिंग के बारे में राजकुमारी लोधी ने प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी. सेमिनार के दूसरे दिन का प्रारंभ डॉक्टर सर्वेश शर्मा, ड्रग इंस्पेक्टर, सीएफडीए, के लेक्चर से हुआ। छात्रों के प्रश्नों का समाधान किया. धन्यवाद डॉ. प्रियंका सिंग ने दिया।